जन्नत और जन्नत वालो के हालात

(मिश्कात शरीफ की रिवायत का खुलासा है.)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.
हिन्दी किताब एक हजार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*तिर्मेज़ी व इब्ने माजा, रावी हज़रत अबू उमामा रदी.| रसूलुल्लाह صلی اللہ علیہ وسلم ने फरमाया- मेरे रब ने मुझसे वायदा किया हे कि वोह मेरी उम्मत के ७० हज़ार लोगों को बगैर हिसाब और बगैर अज़ाब के जन्नत मे दाखिल फरमायेगे, और हर हज़ार के साथ ७० हज़ार मजीद लोग होंगे और उस्के अलावा अल्लाह तआला अपने तीन चुल्लू भरकर लोगों को जन्नत मे दाखिल करेंगे.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत आयशा रदी.| एक सहाबी ने रसूलुल्लाह صلی اللہ علیہ وسلم की खिदमत मे हाज़िर होकर अर्ज़ किया मेरे कुछ गुलाम हे जो झूठ बोलते हे, माल मे ख्यानत करते हे, मेरी नाफरमानी करते हे और मे उन्हें इस्के बदले मे बुरा-भला कहता हु और मारता हु, क्या कयामत के दिन उन सबका मुझसे किसास (बदला) लिया जायेगा?

आप ﷺ ने फरमाया- जी हां इस पर वोह शख्स रोने लगा तो आप ﷺ ने फरमाया- क्या तुम्को अल्लाह तआला का यह फरमान मालूम नहीं तर्जुमा- हम कयामत के दिन इन्साफ का तराज़ू रखेंगे और किसी आदमी पर ज़ुल्म नहीं होगा, राई के बराबर भी अमल हमारे सामने लेकर आयेगे और हम ठीक-ठीक हिसाब लेने वाले हे. (सूरे अम्बिया २१,/४७) यह सुनकर उन सहाबी ने कहा ऐ अल्लाह के रसूल! आप गवाह रहीये आखिरत मे सज़ा से बचने के लिये मेने अपने तमाम गुलामों को आज़ाद कर दिया हे.

*तिर्मेज़ी व इब्ने माजा, रावी हज़रत औफ बिन मालिक रदी.| रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- मेरे रब की जानिब से मेरे पास फरिश्ता आया, उसने मुझे अल्लाह तआला की तरफ से दो बातों मे से एक बात चुन लेने का इख्तियार दिया कि या तो मेरी आधी उम्मत जन्नत मे दाखिल हो जाये या पूरी उम्मत के लिये शफाअत का हक मुझे हासिल हो जाये, फिर मेने शफाअत को पसन्द किया और शफाअत उन लोगो के लिये हे जो इस हाल मे मरे कि वे अल्लाह तआला के साथ किसी को शरीक ना ठहराते थे.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी.| रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- लोग दोज़ख पर से गुज़रेंगे

फिर अपने अच्छे आमाल के साथ उस्से निजात पायेंगे. उन्मे से अव्वल और अफ़ज़ल वे होंगे जो बिजली की चमक की तरह गुज़र जायेंगे, फिर वे लोग होंगे जो हवा के झोंके की तरह गुज़र जायेंगे, फिर वे लोग होंगे जो तेज़ रफ्तार घोडे की तरह गुज़रेंगे, फिर वे लोग होंगे जो सवारी पर सवार की तरह गुज़रेंगे, फिर वे लोग होंगे जो आदमी के दौडने की तरह गुज़रेंगे, और फिर आखिर मे वे लोग होंगे जो पैदल चलने वालो की तरह गुज़रेंगे.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी.| मेने अर्ज़ किया ऐ अल्लाह के रसूल! मख्लूक को किस चीज़ से पैदा किया गया हे? आप ﷺ ने फरमाया- मिट्टी और पानी से, फिर हमने पूछा कि जन्नत किस चीज़ से बनाई गयी हे? आप ﷺ ने फरमाया- जन्नत ईंटों से तामीर की गयी हे एक ईंट सोने की और एक चाँदी की, उस्का गारा (सीमेट) तेज़ खुशबूदार कस्तूरी का हे, उस्की कंकरियाँ मोती और याकूत हे और उस्की मिट्टी जाफरान (की तरह ज़र्द व खुशबूदार) हे. जो आदमी उस जन्नत मे दाखिल होंगा वो नाज़ व नेमत मे रहेंगा, उस्को कभी कोयी फिक्र से वास्ता नहीं पडेंगा, वो उस्मे हमेशा ज़िन्दा रहेंगा, उस्पर मौत नहीं आयेंगी, ना उस्के कपडे पुराने और खराब होंगे और ना ही उस्की जवानी खत्म होंगी.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अनस रदी.| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- मोमिन को जन्नत मे इतने-इतने लोगो की सोहबत की कुव्वत हासिल होंगी. पूछा गया ऐ अल्लाह के रसूल! क्या एक मर्द इतनी ताकत रखेंगा? आपﷺ ने फरमाया- जन्नत मे एक मर्द को १०० आदमियों की मर्दाना कुव्वत अता की जायेंगी.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अनस रदी.| रसूलुल्लाहﷺ से हौज़े कौसर के बारे मे पूछा गया, आपﷺ ने फरमाया- वो जन्नत की एक नहर हे जो अल्लाह तआला ने मुझे अता फरमाई हे, (उस्का पानी) दूध से जियादा सफेद और शहद से जियादा मीठा हे, उस्मे ऐसे परिन्दे (पक्षी) हे जिन्की गर्दनें उँटों की गर्दनों की तरह हे. हज़रत उमर रदी. ने पूछा बेशक वे परिन्दे तो बहुत जियादा उम्दा होंगे? आपﷺ ने फरमाया- उन्को खाने वाले उन्से भी जियादा उम्दा होंगे.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत बुरैदा रदी.| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जन्नतियों की १२० सफे होंगी उन्मे से ८० सफे इस उम्मत की और ४० सफे दूसरी उम्मतों की होंगी.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत हकीम बिन मुआविया रदी.| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- बिला शुब्हा जन्नत मे पानी का दरिया हे, शहद का दरिया हे और शराब का दरिया हे, फिर उन दरियाओं से नहरे निकलेंगी.